पंजीयन क्रमांक MPHIN / 2018 / 76962

संस्थापक- स्व.इन्द्रदेव जी जाजपुरा

नीमच हेडलाइन्स

आज दीपोत्सव

email-gurukripam111@gmail.com

वर्ष : 03 | अंक: 26 | नीमच, दिपावली 2020 | पृष्ठ 4 | मूल्य -5/-रुपया

कोरोना संकट और दीपावली

एच एन मीना, आईआरएस

भारत में दीपावली का त्यौहार सबसे बड़ा त्यौहार है। दीपावली एक ऐसा उत्सव है जिसमें बच्चे ,बूढ़े ,महिलाएं सभी अपने अपने तरीके से अपनी अपनी भूमिका निभाते हुए दीपावली के महापर्व को मनाते व आनंद लेते हैं । दीपावली अंधरे से प्रकाश की तरफ ले जाने के प्रतीक के तौर पर भी जाना जाने वाला पर्व है।हजारों वर्षो से दीपावली महापर्व भारत मे पूरे हर्षोल्लास से मनाया जाता रहा है।सिर्फ हिंदू ही नही कई अन्य धर्मों के लोग भी दीपावली मानते है।दीपावली का त्यौहार एक महीने तक चलने वाला त्यौहार है। नवरात्र स्थापना से ही शुरू होने वाला यह पर्व दुर्गापूजा व दशहरे से होता हुआ धनतेरस दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाईदूज व देवउठनी एकादशी तक चलता है। करीब एक महीने देश मे अलग ही रौनक देखने को मिलती है।दीपावली के पर्व पर पारंपरिक रूप से तेल व घी के दीपक मिट्टी के दीपक में जलाए जाते है लेकिन विज्ञान के विकास से अब कई तरह के दीपक बाजार में आ गए व नए नए तरीके से रोशनी की जाती है व पटाखे चलाये जाते है। सही मायनों में दीपावली का त्यौहार देश मे एक नवउर्जा का संचार करता है ।यह त्यौहार वीरता,सच्चाई, असत्य पर सत्य की जीत व अंधकार पर प्रकाश की विजय का संदेश देने वाला त्यौहार है। दीपावली के इस पावन पर्व पर बहुत सारी गतिविधियां बहुत सारे क्षेत्रों में होती हैं। लोग नए नए कपड़े पहनकर तैयार होते हैं और उत्सव मनाते हैं । महिलाओं द्वारा विभिन्न रंगोली बनाई जाती हैं । घरों को साफ सफाई करने के बाद रंग रोगन कर सजाया जाता हैं। दीपावली का त्यौहार सिर्फ खर्चा ही नही करवाता इस पर्व की वजह से हजारों लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। आधुनिक समय मे लाखो वाहनों की बिक्री देश में होती है और इस बिक्री से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से देश की अर्थव्यवस्था को एक नई गति मिलती है। इसके साथ ही त्यौहार मनाने से जुड़ी अन्य बहुत सी सामग्री की बिक्री भी होती है। देश मे धूमधाम से मनाया जाने वाला यह त्यौहार इस वर्ष कोरोना संकट से जूझते हुए हमें मनाना पड़ रहा है।बाजार में कुछ भी लेन देन कोरोना प्रोटोकॉल के अधीन है।कोरोना की गाइडलाइंस के हिसाब से सोशल डिस्टेंस रखते हुए खरीददारी करनी पड़ रही है।आवागमन के सार्वजनिक साधन अभी पूर्ण रूप से नही संचालित नही हो पाने के कारण लोगो को परिवहन की दिक्कतें आ रही है।कई जरूरी सामानों की कीमतों में काफी इजाफा हुआ है। कोरोना के कारण देश मे लंबे लॉक डाउन की वजह से लाखों लोगों को अपनी नोकरियों से हाथ धोना पड़ा जिसके कारण लाखो परिवार गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे है। हम सब जानते हैं कि दुनिया आज एक वैश्विक गांव में तब्दील हो चुकी है । जहां दुनिया के ग्लोबल विलेज में बदलने से कई फायदे हैं वही उसके नुकसान भी है । पिछले साल के अंत मे चीन के वुहान प्रांत से कोरोना के केस आना शुरू हुए और देखते ही देखते कुछ ही महीनों में कोरोना वायरस ने भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों को अपनी चपेट में ले लिया ।दुनिया के लगभग सभी देश आज कोरोना की चपेट में है और इससे निपटने के लिए प्रयासरत हैं । यही कारण है कि दुनिया फिर से चलने के लिए बेताब हो गई। कोरोना महामारी के गंभीर संकट के सामने होते हुए भी इंसान ने सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क जैसे उपायों का सहारा लेकर अपने आप को अनलॉक करना शुरू किया। धीरे–धीरे आर्थिक गतिविधियां शुरू की गई और आज दुनिया वापस दौड़ने लगी है । भारत भी लगभग पूरी तरह चल पड़ा है। लेकिन पिछले 8–10 महीनों से जो कष्ट लोगों ने झेले हैं उसकी भरपाई इतनी जल्दी नहीं की जा सकती । दीपावली के संदर्भ में इसकी चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दीपावली के महापर्व से इस संकट का सीधा सीधा वास्ता है । भारत में जब से दीपावली का पर्व मनाना शुरू हुआ होगा न जाने कितनी महामारीयों और युद्धों के संकट हमने देखे और झेले हैं लेकिन इस बार का संकट अनोखा है अभूतपूर्व है। सारा देश इस संकट से जूझ रहा है ।पूरी दुनिया भी कोरोना संकट से जूझ रही है। ऐसे में दीपावली के इस वर्ष के पर्व के फीका रहने की पूरी संभावना है । भारत में दीपावली के पर्व पर इस वर्ष संकट के बादल है जो कोरोना महामारी की वजह से है।वैसे भारत ही नहीं पूरी दुनिया कोरोना की महामारी से जूझ रही है ।यहां हम दिपावली के संदर्भ में जब इस संकट को देखते है तो निश्चित ही हालात सुकून देने वाले नही है। बस एक सुकून की बात है यह है कि भारत में कोरोना के मरीजों की संख्या भले ही एक करोड़ पार कर गई हो लेकिन रिकवरी दर दुनिया में सबसे ज्यादा है और मृत्यु दर भी सबसे कम है और इसका श्रेय भारत की संस्कृति, उसकी आबोहवा, आयुर्वेद ,योग इत्यादि को जाता है । भारतीय लोग कितने भी कष्ट में हो उन्हें कितने भी संकट का सामना करना पड़े हर पर्व व त्यौहार को फिर भी जितना बन पड़ता है वे पूरी खुशी से मनाने की कोशिश करते हैं।कोरोना के गंभीर संकट के साये में भी हम इस बार भी दिवाली मना रहे हैं हां यह जरूर है कि कोरोना के कारण हमारे देश में भी दुनिया के अन्य देशों की तरह आर्थिक मंदी की मार है। कोरोना के कारण लाखों लोगों की नौकरियां चली गई, लाखों लोगों का व्यवसाय चला गया ,लॉकडाउन के कारण गरीब लोगों ने जीवन का कष्टकारी दौर देखा। रोज कमाने खाने वाले मजदूर लोगों ने जो कष्ट झेले वे स्वयं और हम उन्हें कभी नहीं भुला सकते है। ऐसे माहौल में दीपावली का त्यौहार उतने धूमधाम और खुशियों से भरा नहीं है लेकिन फिर भी हम पूरे जोश और उत्साह से दीपावली का त्यौहार मनाने की कोशिश में है। लाखों लोगों के पास जब रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है तो ऐसे में हमें उन लोगों की मदद करनी चाहिए स्थानीय लोगों से ही हमे दीपावली का सामान खरीदना चाहिए चाहे वह पूजन सामग्री हो या अन्य सामग्री ताकि चीन जैसे देशों का सामान कम बिक्री हो और हमारे देश के लोगों को फायदा हो। हमारी महान संस्कृति हजारों सालों से सहयोग ,सौहार्द और शांति व प्रेम और भाईचारे की रही है ।दिवाली हमें भारत की महान सांस्कृतिक विरासत की याद दिलाती है। उस रामराज्य की याद दिलाती है जो राज्य आज भी हमारे लिए आदर्श हैं, जिसमें कोई भूखा ना रहे जिसमें कोई दुरूखी ना हो, जहाँ लोगो मे एक दूसरे के लिए त्याग और समर्पण हो। राम ने अपने भाई के लिए राज्य का त्याग कर 14 साल के वनवास के लिए खुशी खुशी प्रस्थान किया था।राम ऐसे ही मर्यादा पुरुषोत्तम नही कहलाते।उन्हो खुद मर्यादा,त्याग ,वीरता और धैर्य का मार्ग चुनकर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रतिमान स्थापित किये। अपने वचन पर दृढ़ रहकर ऐसा मर्यादित जीवन राम ने जिया कि यह कहावत चल पड़ी कि प्राण जाए पर वचन न जाए।ऐसे महान आदर्शो की बुनियाद वाली संस्कृति दुनिया मे कही नही है यही कारण है कि भले ही थोड़ी सही लेकिन कुछ तो आज भी लोगो के लिए प्रेरणास्रोत है और इसी कारण भारत का समाज विश्व के समाजो से अलग है जो आज के कोरोना जैसे संकट के समय में अधिक लाभकारी और सकारात्मक परिणाम देने वाला हैं।सच्चे अर्थों में आज दीपावली का पर्व हमारे लिए मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम मर्यादा में रहते हुए और भगवान राम के चरित्र का अनुसरण करते हुए व उनके पद चिन्हों पर चलकर हम समाज को ही नही इस देश को दिशा दे। आज आवश्यकता है कि हम इस देश के लोगों की मदद करे।उन लोगो के जीवन मे भी उजाला फैलाने की कोशिशें करे जिनके जीवन मे कोरोना महामारी ने अंधेरा कर दिया और यह हमें करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां इस संस्कृति की विरासत को साथ लेकर चल पाए और एक ऐसा जीवन जिये जो सतत विकास की अवधारणा लिए मानवता के लिए एक मिसाल पेश करें व जिसमें स्वार्थी और भोगवादी संस्कृति का स्थान नहीं होकर त्याग ,समर्पण और एक दूसरे के लिए सहयोग की भावना और वीरता की भावना का दर्शन कराने वाली हो ताकि आने वाली पीढ़ियां मानवता के इस महान पर्व को अपना आदर्श बनाए रखें और भगवान श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप चलकर खुशहाल जीवन जीते रहे।

'शिक्षा, रोजगार, सरकार का दायित्व और युवाओं की कार्यक्षमता

वर्तमान समय में देखा जाए तो हमारे देश में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है। चुनाव आते ही सभी पार्टियां बड़े स्तर पर रोजगार देने का वायदा करती है और प्रत्येक चुनाव में रोजगार एक अहम चुनावी मुद्दा होता है। अधिकांश लोग रोजगार को सरकारी नौकरी से जोड़कर देखते हैं पर बड़ा प्रश्न यह है कि क्या रोजगार देना सिर्फ सरकार का दायित्व है! वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण संस्थाओं में पद खाली पड़े हैं परंतु जब इन पदों पर भर्ती के लिए जो प्रक्रिया अपनाई जाती है उसे हमारे देश के युवा पूरा नहीं कर पाते तो वह पद खाली के खाली रह जाते हैं ऐसे में देश में रोजगार की तलाश में लगे युवाओं की कार्य क्षमता पर भी सवाल उठता है। अब यदि देश के युवाओं की कार्य क्षमता पर सवाल उठ रहा है तो उसकी जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए और यदि मूल रूप से इस विषय में जिम्मेदारी देखी जाए तो वह युवाओं के शिक्षा के स्तर की जिम्मेदारी होती है। मैं शिक्षा के स्तर की बात इसलिए कर रहा हूं की जब से होश संभाला है तब से मैं यह देख रहा हूं कि देश में शिक्षा के स्तर में जिस स्तर का सुधार होना चाहिए था वह नहीं हो पा रहा है हमारे देश में अधिकांश शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों सहित महाविद्यालयों में जो शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए उसका स्तर इतना नहीं है कि शिक्षा ग्रहण करने वाला इस काबिल हो जाए कि वह सरकार या प्राइवेट संस्था द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के लिए तय किए गए मापदंडों को पूरा कर सकें । अच्छी एवं तकनीकी बेसिक शिक्षा के अभाव में हमारे देश के युवा अपनी शक्ति के अनुसार कार्य कुशल नहीं हो पाते और वह तय मापदंडों को पूरा नहीं कर पाते हैं । यदि सीधी सीधी बात की जाए तो हमारे देश में संचालित हो रहे शासकीय विद्यालय, महाविद्यालय और प्राइवेट विद्यालय एवं महाविद्यालयों कर शिक्षा के स्तर में बहुत अधिक अंतर है । शासकीय विद्यालयों महाविद्यालयों में जिस स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है उसकी तुलना में प्राइवेट विद्यालयों में शिक्षा का स्तर काफी अच्छा है । सबसे बड़ी परेशानी यह है कि जो आम आदमी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहता है और वह आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है तो वह शासकीय विद्यालयों एवं उच्च शिक्षा के लिए शासकीय संस्थाओं पर ही निर्भर रहता है और इस कारण जिस प्रकार से देश के युवाओं का भविष्य बेसिक तकनीकी शिक्षा के अभाव में अंधकारमय कर दिया जाता है वह उनके आने वाले भविष्य की कार्य क्षमता पर भी सीधा–सीधा विपरीत प्रभाव डालता है ।प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों से शिक्षा ग्रहण करने के बाद हमारा युवा जब शासकीय महाविद्यालयों की ओर कदम बढ़ाता है तो भी उन्हें बेसिक ग्रेजुएट कोर्सों में जो शिक्षा प्रदान की जाती है वह भी इस स्तर की नहीं होती है कि वह यह शिक्षा ग्रहण कर कोई कार्य कर सके । कहलाने में तो वह ग्रेजुएट कहलाता है पर किसी भी प्रकार की तकनीकी शिक्षा के अभाव में वह कोई कार्य करने में सक्षम नहीं होता और वह जिस क्षेत्र में जाता है उसे वहां अलग से प्रशिक्षण देना पड़ता है । यदि हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में सुधार होता और हमारे युवाओं को अच्छी बेसिक शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा भी समय रहते प्रदान की जाती तो जो बेरोजगारी की समस्या है वह हमारे युवाओं के सामने कुछ हद तक कम हो जाती । यदि सही मायने में देखा जाए तो हमारे देश के युवाओं को सही मायने में शिक्षा या तो कोई तकनीकी प्रशिक्षण के दौरान प्रदान की जाती है या फिर वह किसी रोजगार से जुड़ता है तो उसे उस रोजगार के प्रशिक्षण के दौरान वह शिक्षा प्रदान की जाती है जिससे वह उस रोजगार के काबिल बनता है । यदि हमारे देश में बेसिक शिक्षा के स्तर में सुधार किया जाए और उस शिक्षा को तकनीकी स्तर पर ले जाया जाए तो हमारे देश का युवा भी रोजगार के वायदों पर निर्भर नहीं रहेगा वह इस काबिल होगा की वह अपनी बेसिक शिक्षा पूर्ण कर अपने कदमों पर खड़ा हो सके ।

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

कुश, परी, अभियांश

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

सैनी नाश्ता सेन्टर

कमल चौक नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

स्वामी फर्नीचर, नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

अशोक गुलाटी, मनासा

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

गायत्री ट्रेवल्स, नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

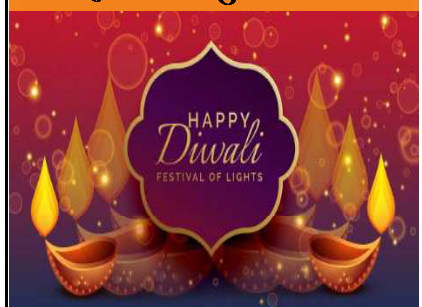

कोठारी ट्रेवल्स, नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अजय ट्रेवल्स, नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

गंगाराम कछावा

अध्यक्ष जनपद पंचायत, मनासा

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरिहंत फर्टीलाइजर्स, डुंगलावदा

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

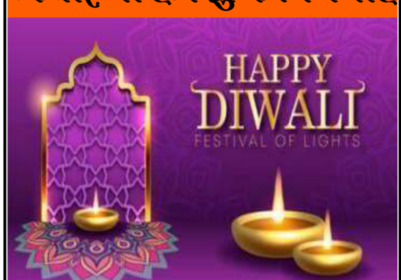

भगतराम नायक, हरिश नायक

शिवसेना, नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

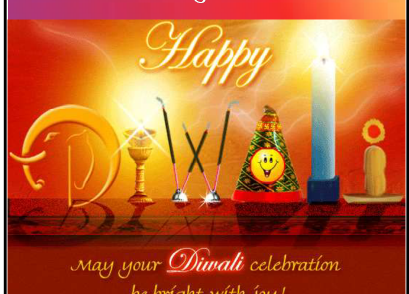

सैनी सेव भण्डार नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

अतिशीघ्र शुभारंभ

40 माह की आसान किश्तो में

प्लाट उपलब्ध

महालक्ष्मी टाऊनशीप

टीचर कॉलोनी, मनासा

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक
बधाईयां एवं शुभकामनाएं
happy diwali
गोपी मिष्ठान भण्डार
B-3, पटेल प्लाजा, टैगोर मार्ग, नीमच फोन 07423-221345

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
RRM Group of Institution
Radhadevi Ramchandra Mangal
Group of Institutions
स्वतंत्रता दिवस कि हार्दिक बधाई
100% Placement
Bus Facility Available
Courses Offered -
BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain
B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology
B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW
Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
RBS GROUP OF INSTITUTION
(Run by : Pujya Ramnarayan Raji Bai Shiksha Prachar Samiti)
NURSING
MANAGEMENT & COMMERCE
GNM (नर्सिंग)
B.sc (नर्सिंग)
M.sc (नर्सिंग)
BBA MBA
B.COM MSW
COMPUTER
EDUCATION
BCA, B.Sc.(CS)
M.Sc. (CS)
PGDCA, DCA
D.Ed
B.A
B.Ed.*
शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
ST/SC/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति
कॉलेज केम्पस : हर्कियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड, नीमच, Mob. 7694015501-02-03-04-05, 9425922520

शुभ दिपावली
दीपोत्सव के पावन अवसर पर सभी देशवासियो को
हार्दिक बधाईयां
HAPPY Diwali
मोहम्मद रउफ खान
उपनिरक्षक, नारकोटीस विंग, नीमच

दीपोत्सव के पावन अवसर पर सभी देशवासियो को
हार्दिक बधाईयां
शुभ दिपावली
व्यापारी संघ नीमच

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक
बधाईयां एवं शुभकामनाएं
Happy Diwali
जिला कार्यवाहक अध्यक्ष
राजकुमार अहीर, नीमच

शुभ दिपावली
दीपोत्सव के पावन अवसर पर सभी देशवासियो को
हार्दिक बधाईयां
Happy Diwali
पूरण अहीर
जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि, जावद
जिलाध्यक्ष - यादव महासभा, नीमच

दीपोत्सव के पावन अवसर पर सभी देशवासियो को
हार्दिक बधाईयां
Happy Diwali
बुहरानी आटो डील, नीमच

शुभ दिपावली
दीपोत्सव के पावन अवसर पर सभी देशवासियो को
हार्दिक बधाईयां
Happy & Bright
Diwali
एक शुभचिंतक, नीमच

दीपोत्सव के पावन अवसर पर सभी देशवासियो को
हार्दिक बधाईयां
Happy Diwali
पवन पाटीदार
भाजपा जिलाध्यक्ष,
नीमच (म.प्र.)

दीपावली एवं नूतन वर्ष पर समस्त क्षेत्र, जिलेवासियों, शुभचिंतकों एवं देशवासियों को हार्दिक
बधाईयां एवं शुभकामनाएं
Happy Diwali
घनश्याम पाण्डे, नीमच

GYANODAYA GROUP OF INSTITUTES
परिवार की ओर से सभी देशवासियों को दिपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ
HAPPY Diwali
For this, is a special time
when family
And friends get
together, for fun.
Wishing laughter and fun
to cheer your days,
In this festive season of
diwali and always!!!!!!!

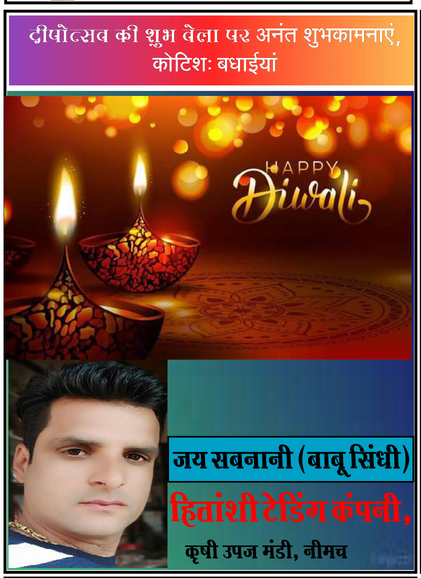

स्वताधिकारी ,मुद्रक ,प्रकाशक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिंटिंग प्रेस स्कीम नं.36ए कलेक्टर कार्यालय के सामने से मुद्रित एवं कार्मो स्कूल के पास इंदिरा नगर नीमच से प्रकाशित । (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र नीमच रहेगा) मो9893796737, 9303808888